Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 37 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | बुधवार, 23 जुलाई 2025

ली देवा...पेज-3 पर

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में बुधवार
सायं 5:22 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सुबह 7:12 बजे

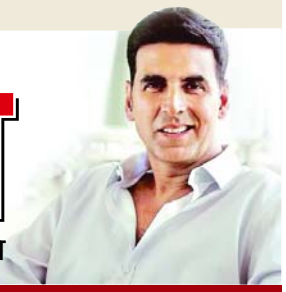

डाक कांवड़ यात्रियों की रफ्तार तेज, स्थानीय लोग घरों में हुए कैद

हरिद्वार
हमारे संवाददाता

24 घंटे के अंदर 56 लाख कांवड़ यात्री गंगाजल भरकर रवाना हुए और 12 दिन में मेले में पहुंचे शिवभक्तों की संख्या 4.12 करोड़ 90 हजार पहुंच गई।
कांवड़ यात्रा के अंतिम दिन डाक कांवड़ यात्रियों की रफ्तार बेहद तेज रही। हाईवे से लेकर शहर की गलियों तक सबसे अधिक तेज आवाज वाली बाइकों की गूंज रही। इसके चलते स्थानीय अपने घरों में ही कैद रहे। जरूरी काम के लिए ही बाहर निकले। 24 घंटे के अंदर 56 लाख कांवड़ यात्री गंगाजल

भरकर रवाना हुए और 12 दिन में मेले में पहुंचे शिवभक्तों की संख्या 4.12 करोड़ 90 हजार पहुंच गई। कांवड़ मेले के अंतिम चरण में श्रद्धालुओं की भीड़ ने सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। सोमवार शाम छह बजे से मंगलवार शाम छह बजे तक 24 घंटे में 56 लाख कांवड़ यात्री गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों की ओर रवाना हुए। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि 10 जुलाई से लेकर मंगलवार शाम तक कुल 4 करोड़ 12 लाख 90 हजार शिवभक्त गंगाजल भरकर हरिद्वार से रवाना हो चुके हैं। यह आंकड़ा अब तक की सबसे बड़ी भीड़ में गिना जा रहा है।

एसएसपी ने बताया कि मेले के अंतिम दिन अधिक संख्या में दोपहिया वाहनों से रवाना होने वाले शिवभक्तों अधिक रहे। हरकी पैड़ी और अन्य प्रमुख घाटों से लेकर हाईवे और शहर की सड़कों तक पुलिस बल की कड़ी निगरानी रही। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी की मदद से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

बुधवार को शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में जलाभिषेक किया गया। कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर, बिल्केश्वर महादेव मंदिर और तिलभांडेश्वर, दरिद्र भंजन, नीलेश्वर महोदव, पशुपति नाथ, गुप्तेश्वर आदि प्रमुख मंदिरों में जलाभिषेक के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि सभी मंदिरों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटियां लगा दी गई हैं।

News कॉर्नर

बूथ तक पहुंचने के लिए चढ़ रहे थे खड़ी चढ़ाई, मतदान कर्मी की हार्ट अटैक से मौत

पिथौरागढ़। सीमांत जिले में बारिश से सड़कें बंद हैं और कई रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन बदहाल मार्गों से मतदान कर्मी जान जोखिम में डालकर अपने बूथों तक पहुंच रहे हैं। दुर्गम विकासखंड मुनस्यारी में सड़क से चार किलोमीटर दूर बने बूथ तक पहुंचने के लिए खड़ी चढ़ाई चढ़ रहे मतदान कर्मी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वहीं अन्य बूथ पर जा रहे पीठासीन अधिकारी का बदहाल रास्ते पर फिसलने से पैर टूट गया। उन्हें हायर सेंटर रेफर करना पड़ा। सीमांत जिले में बारिश से सड़कें बंद हैं और कई रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन बदहाल मार्गों से मतदान कर्मी जान जोखिम में डालकर अपने बूथों तक पहुंच रहे हैं। मुनस्यारी विकासखंड के पोलिंग बूथ के लिए मंगलवार सुबह 60 पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। सीएमओ कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक 44 वर्षीय मनीष पंत और उनकी टीम प्राथमिक विद्यालय गोल्फा में बने बूथ के लिए रवाना हुई। सड़क का सफर तय कर टीम चार किलोमीटर दूर पोलिंग बूथ तक पहुंचने के लिए खड़ी चढ़ाई चढ़ रही थी। इस बीच मनीष पंत के सीने में तेज दर्द उठा और वह बेहोश हो गए। कुछ ही देर में हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई।

नारेबाजी के साथ लोकसभा-राज्यसभा में विरोध

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी हंगामा, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली
एजेंसी

आज संसद के मानसून सत्र का तीसरा दिन है। लोकसभा और राज्यसभा में आज भी विपक्ष हंगामा कर सकता है। इससे पहले दूसरे दिन की कार्यवाही भी हंगामे की भेंट चढ़ गई। विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में चुनाव आयोग के एसआईआर पर जमकर हंगामा किया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध दूर होने के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे हैं।

संसद के मानसून सत्र में तीसरे दिन की कार्यवाही से पहले राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संघ प्रमुख भागवत जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया को खारिज करते हैं। विश्वविद्यालयों में इतिहास के प्रोफेसरों की कही बातों को भी खारिज करते हैं। आरएसएस का इतिहास देश के इतिहास से अलग है। खरगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। आम आदमी पार्टी (AAP) के सांसद संजय सिंह ने भी राज्यसभा में नियम 267 के तहत कार्य स्थगन का नोटिस दिया है। उन्होंने दिल्ली में जबरन बेदखली के कारण उपजे गंभीर मानवीय संकट पर चर्चा की मांग की है।

संसद के मानसून सत्र में कामकाज से जुड़े एक सवाल पर भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार ने कहा, विपक्षी गठबंधन- INDIA ब्लॉक के सभी सांसद हंगामा कर रहे हैं। जनता का सारा पैसा बर्बाद हो रहा है। कोई सार्थक चर्चा नहीं हो रही है। हंगामे के लिए विपक्ष जिम्मेदार है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर भाजपा सांसद ने कहा, कोई किसी को बताकर बीमार नहीं होता, मैं भी अभी अस्वस्थ हो सकता हूं। धनखड़ अस्वस्थ हैं। इस मुद्दे पर ज्यादा चर्चा नहीं होनी चाहिए। राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, सैयद नसीर हुसैन, रानानी अशोकराव पाटिल और रंजीत रंजन ने भी कार्यस्थगन प्रस्ताव दिए हैं। तीनों सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग की है।

बीती शाम जंगल की तरफ गए दो किशोर हुए थे लापता दोनों के शव आज बरामद

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

बीते दिवस दोनों किशोर के अचानक गुम हो जाने क्षेत्र म रंगीन माहौल था बुधवार को दोनों किशोरों के सब मिलने से क्षेत्र में मातम छा गया लामाचौड़ चौकी क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है।

यहां मंगलवार देर शाम ग्राम पंचायत किशनपुर सकुलिया के बकुलिया गांव से बच्चे नदी किनारे गए थे, इस दौरान अचानक लापता हो गए। लापता हुए दोनों बच्चे के शव गौला नदी से बरामद किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 5 बजे मोटाहल्दू के ग्राम बकुलिया निवासी अंकित भौर्याल पुत्र दीवान सिंह भौर्याल उम्र 15 वर्ष व कृष दानू पुत्र दरबान सिंह दानू उम्र 15 वर्ष घर से नहाने के लिए गौला नदी की ओर को निकले, जब देर शाम वापस नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई, इसके बाद आस-पास के ग्रामीण व निवर्तमान ग्राम प्रधान विपिन चंद्र जोशी समेत क्षेत्र वासियों ने उनकी ढूंढ खोज शुरू की, पूरी रात ढूंढने के बावजूद उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद बुधवार सुबह फिर से सर्च अभियान चलाया गया। तो गौला नदी के किनारे दोनों के कपड़े मिल गए, जिससे बच्चों के नदी में डूबने का शक गहरा गया, इसके बाद गांव के ही गोताखोरों को बुलाया गया और नदी में पहले एक बच्चे का शव मिला। उसके बाद करीब 11 बजे दूसरे बच्चे का भी शव बरामद हो गया। एक साथ दोनों बच्चों की डूबने से हुई मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। साथ ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया हैं। ग्रामीणों के अनुसार अंकित कक्षा 9 एवं क्रश कक्षा 10 का छात्र था, यह दोनों मोटाहल्दू के एक निजी विद्यालय के छात्र थे।

तीन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, जारी किया येलो अलर्ट

देहरादून
हमारे संवाददाता

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आज (बुधवार) भी तेज बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत टिहरी और पौड़ी जिले के कुछ हिस्सों में तेज दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अन्य जिलों में भी तेज दौर की बारिश होने के आसार हैं। आने वाले दिनों की बात करें तो 28 जुलाई तक प्रदेश भर में तेज दौर बारिश हो सकती है। खासकर पर्वतीय जिलों में तेज बारिश की अधिक संभावनाएं हैं। प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से दो राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 54 सड़के बंद हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रह हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक चमोली जिले में जोशीमठ-मलारी-नीती राष्ट्रीय राजमार्ग भापकुंड के पास चट्टान गिरने से बंद है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव: दूरस्थ क्षेत्रों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण (24 जुलाई) हेतु जनपद के दूरस्थ मतदान केंद्रों के लिए 36 पोलिंग पार्टियों को 22 जुलाई को चुनाव सामग्री के साथ रवाना किया गया। इनमें विकास खंड ओखलकांडा के 33 तथा बेतालघाट ब्लॉक के 3 मतदान दल शामिल हैं। प्रथम चरण में 24 जुलाई को विकास खंड बेतालघाट, ओखलकांडा, रामगढ़ एवं धारी में मतदान सम्पन्न होगा।

चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित रूप से सम्पन्न कराने के लिए मेडिकल कॉलेज सभागार में विकास खंड भीमताल एवं कोटाबाग के 1060 पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ मतदान अधिकारी, सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी ने प्रशिक्षण में मतदान कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्मिक चुनाव कार्य को पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता के साथ सम्पन्न करें। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव संवेदनशील हैं, इसलिए सभी कार्मिक अपने दायित्वों में पूर्ण दक्षता हासिल करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पीठासीन अधिकारी चुनाव डायरी का भली-भांति अध्ययन कर लें और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्ण पालन करें। मतदान का समय प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण में मतपत्र को सावधानीपूर्वक मोड़ने की विधि, मतदान सम्पन्न होने के बाद मतदान पेटियों को सुरक्षित सील करने, दिव्यांग, असहाय एवं वृद्ध मतदाताओं को प्राथमिकता देने और मतदान की गोपनीयता बनाए रखने की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर ने मतदान प्रक्रिया का विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया और कार्मिकों की शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर प्रभारी मास्टर ट्रेनर एच. बी. चंद, नोडल मतपेटी राजेन्द्र पांडे सहित विकास खंड हल्द्वानी के जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा मतदान अधिकारी उपस्थित रहे।

विपरीत दिशा में बाइक चलाने पर होगी कार्रवाई

नैनीताल

हमारे संवाददाता

बढ़ती बाइकों की अनियंत्रित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने नगर के मुख्य 05 मार्ग नो बाइक स्ट्रीट जोन घोषित किए हैं। बता दें कि 2017 के बाद पंजीकृत बाइकों का ही हाईकोर्ट के निर्देशानुसार संचालन किया जाएगा। इसके अलावा वन वे सड़कों पर विपरीत दिशा में बाइक चलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उस दौरान डीएम वंदना सिंह के निर्देश पर एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट विवेक रॉय के तत्वाधान में रोड सेफ्टी को लेकर संभागीय परिवहन विभाग,पुलिस प्रशासन, होटल एसोसिएशन,नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग समेत टैक्सी एसोशिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसमें नगर के भीतर बाइकों के अनियंत्रित संचालन के मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा कि गई। जिस पर सभी ने अपने विचार रखें। इस दौरान ठंडी सड़क, डीएसबी से एनसीसी मार्ग,मस्जिद से अरोमा आयारपाटा

मार्ग,सनवाल स्कूल से चार्टन लॉज मार्ग, एटीआई से पॉलिटेक्निक मार्गों पर बाइकों का आवागमन पूर्णत: बंद किया जाएगा। साथ ही सीआरएसटी से जिला पंचायत मार्ग को शाम छह से आठ बजे तक बाइकों के संचालन को रोके जाने पर राय बनी। जिसमें पालिका कि ओर से गेट पर तय समय पर ही गेट पर ताला लगाया जाएगा।

इस दौरान एडीएम विवेक राय ने बताया कि बैठक में सड़क सुरक्षा कमेटी ने तय किया है कि सभी मार्गों का निरीक्षण कर सड़कों पर बाइकों का संचालन रोक दिया जाएगा। इस दौरान बैठक में पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल, एसपी डॉ. जगदीश चन्द्र, लोक निर्माण विभाग ईई रक्षेश सक्सेना, एआरटीओ गुरदेव सिंह, होटल एसोशिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट, महासचिव वेद साह,वरिष्ठ पत्रकार राजीव लोचन साह, पद्मश्री अनूप साह, सभासद सपना बिष्ट,तल्लीताल व्यापार मंडल अध्यक्ष मारुती साह,उपाध्यक्ष नासिर खान, महासचिव अमनदीप सिंह आनंद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल शहर के तल्लीताल क्षेत्र में पुलिस ने नियमों को ताक में रख बाइक चलाने वालों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। देर रात पुलिस ने बिना डीएल ड्राइव करने पर तीन स्कूटियों को सीज कर दिया है। वहीं चार बाइक चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देश पर तल्लीताल पुलिस ने नियमों को ताक में रख बाइक चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरु कर दी है। सोमवार की देर रात तल्लीताल पुलिस ने क्षेत्र में अभियान चलाया। एसओ रमेश बोरा ने स्कूटी बाइकों को रोककर दस्तावेजों की जांच की। चैकिंग के दौरान तीन टैक्सी स्कूटियों में चालक बिना डीएल ड्राइव कर रहे थे। उन्होंने मौके पर ही तीनों स्कूटीयों को सीज कर दिया। एसओ रमेश बोरा ने बताया कि बिना दस्तावेज व बिना डीएल स्कूटी ड्राइव करने पर धोबीघाट निवासी अक्षय कुमार के खिलाफ़ कारवाई करते हुए , वहीं चार के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की है।

डीएबी में एक पेड़ मां के नाम के तहत चिनार के पौधे लगाए

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग में बुधवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम में पूर्व छात्र तथा एचएफ आरई शिमला के पूर्व निदेशक, फैलो ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज डॉ. एस एस सामंत शामिल हुए तथा उन्होंने पद्म तथा चिनार के पौधे लगाए ।

बता दें कि विजिटिंग प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग तथा एलुमनी सेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ सामंत ने कहा कि हरियाली ही प्रकृति का श्रृंगार है तथा पौधे लगाना सबसे बेहतरीन रचनात्मक कार्य है । कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने कहा कि पौधे लगाना ही प्रकृति की सबसे बड़ी सेवा है जो हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग है । वानिकी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. लक्ष्मण सिंह लोधियाल ने कहा कि पौधे संपूर्ण जीवन को संचालित करते हैं । वनस्पति विज्ञान विभाग में हुए कार्यक्रम में प्रो. सुषमा टमटा, प्रॉफ नीलू लोधियाल, डॉ नवीन पांडे, डॉ प्रभा पंत, डॉ हिमानी कार्की, लीला, दिशा कांडपाल, दिशा उप्रेती, लता ,वसुंधरा, सुनील दत्त, हिमानी उप्रेती, लक्ष्मी व पायल तथा आयुष आदि उपस्थित रहे ।

नियमितीकरण को 382 वें दिन भी जारी रहा पौधरोपण आंदोलन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर जारी किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधरोपण आंदोलन बुधवार को 382 वें दिन भी जारी रहा।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोडने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए- पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत आज उनके नेतृत्व में प्रतिदिन की तरह गुरना देवी मंदिर परिसर में चौथी वाटिका का निर्माण कर विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि उनका पौधा रोपण आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जहां उपनल के कर्मचारियों के लिए नियमितीकरण की नियमावली बनाई जा रही है वह स्वागत योग्य निर्णय है वहीं कुमाऊं मंडल विकास निगम व गढ़वाल मंडल विकास निगम में संविदा दैनिक वेतन समान कार्य का समान वेतन में

कार्यरत कर्मचारियों व विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी शीघ्र नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को जारी करते हुए नियमितीकरण किया जाना चाहिए। नियमितीकरण नियमावली न निकलने के कारण कई कर्मचारी बिना नियमित हुए ही सेवानिवृत हो रहे हैं। इधर दिनेश गुरुरानी ने गढ़वाल मंडल में चेयर लिट रोपवे औली के कर्मचारियों द्वारा दीपक डिमरी के नेतृत्व में किए जा रहे वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम करने की सराहना करते हुए कहां की अन्य इकाइयों में भी कर्मचारियों को पौधारोपण कार्यक्रम से जुडना चाहिए।

NEWS / फटाफट

छात्र रोहित यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की

नैनीताल । कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के डीएसबी परिसर स्थित हिंदी विभाग के प्रतिभाशाली छात्र रोहित सिंह रौतेला ने पहले ही प्रयास में यूजीसी-नेट (लेकचरशिप) परीक्षा उत्तीर्ण कर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलबधि अपने नाम की है। बता दें रोहित ने यह सफ लता प्रो.शिरीष कुमार मौर्य (विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग) के मार्गदर्शन में प्राप्त की। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने पिता राजेंद्र सिंह रौतेला एवं माता श्रीमती लता रौतेला व बड़े भाई डॉ. मोहित सिंह रौतेला को दिया है, जिन्होंने उन्हें निरंतर प्रोत्साहित किया और अध्ययन में मार्गदर्शन प्रदान किया। रोहित मूल रूप से कुमाऊं मंडल के अल्मोड़ा जिले के धौलादेवी विकासखंड के नौगांव चलनीछीना के निवासी हैं। उनके पिता राजेंद्र सिंह रौतेला एवं माता श्रीमती लता रौतेला ने बेटे की इस उपलबधि पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। रोहित रौतेला को इस उपलबधि के लिए परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, हिंदी विभाग के प्रो.शिरीष कुमार मौर्य समेत प्रो.चंद्रकला रावत,डॉ.शशि पांडेय, डॉ.शुभा मटियानी,डॉ.मेधा नैनवाल, डॉ.मथुरा इमलाल, डॉ.दीक्षा सहित विश्वविद्यालय परिवार ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस बीच कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत, कुल सचिव डा.मंगल सिंह मद्रवाल, कुमाऊं विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.ललित तिवारी व महासचिव डा.विजय कुमार ने भी रोहित की उपलबधि पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है।

मेविला कंपाउंड में विशेष सफाई अभियान चलाया

नैनीताल । नगर पालिका परिषद के सफाई पर्यवेक्षक कमल सिलेलान के नेतृत्व में बुधवार को नगर के मेविला कंपाउंड में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान क्षेत्र में काफी कम मात्रा में कूड़ा नजर आया। इस मौके पर अभियान का पालिकाध्यक्ष डा.सरस्वती खेतवाल, वार्ड के सभासद पूरन सिंह बिष्ट, सफ ाई निरीक्षक कमल सिंह चौहान, सफाई निरीक्षक सुमित सिंह आदि ने निरीक्षण किया। इस मौके पर पर्यावरण मित्रों ने झाड़ी कटान व मलबा आदि को हटाया।

आरोपी नरेश नेगी को एक वर्ष का कारावास व अर्थदंड

नैनीताल। द्वितीय अपर सेशन जज कुलदीप शर्मा की ओर से न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से दिए गए फैसले को सही ठहराते हुए आरोपी नरेश नेगी निवासी गैस गोदाम रोड कुसुमखेड़ा हल्द्वानी को एक वर्ष का कारावास तथा एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा को बरकरार रखा। अधिवक्ता प्रमोद तिवारी की दमदार पैरवी के चलते मिला इंसाफ। मामले के अनुसार आरोपी नरेश नेगी ने हरिपुर केशवदत्त अर्जुनपुर हल्द्वानी निवासी प्रकाश चंद्र चंदोला से चार लाख रुपये की धनराशि उधार ली। जिसके ऐवज में उसे चैक भी दिए। लेकिन प्रकाश की ओर से नियत तिथि में बैंक में चैक प्रस्तुत करने पर वह बाउंस हो गए। जिसके बाद प्रकाश ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। न्यायालय में चले वाद में आरोपी ने धनराशि लेने से इनकार करते हुए चैक उनकी ओर से जारी करने से ही मना कर दिया। इसकी लिखावट व हस्ताक्षर को ही इनकार दिया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आरोपी सजा सुनाई थी। जिसे उसने शेसन न्यायालय में चुनौती दी।

जंगल में मिले अज्ञात शव की हुई शिनाख्त

हल्द्वानी। पांच दिन पूर्व तीन पानी बाई पास रोड ओपन यूनिवर्सिटी के समीप जंगल में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त हो गई है। शव के दाएं हाथ पर बने 'डीके' नाम के टैटू के आधार पर परिजनों ने उसकी पहचान 32 वर्षीय दीपक पुत्र स्व. दीवान सिंह के रूप में की। दीपक रामपुर रोड स्थित एक कार शोरूम में वाहन धोने का कार्य करता था। और देवबंधु विहार, देवलचौड़, मानपुर पश्चिम में किराए के कमरे में अकेले रहता था। पुलिस के अनुसार 18 जुलाई को जंगल में शव मिलने की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा गया था। पहचान न होने के कारण शव को सुरक्षित रखा गया था। मंगलवार को परिजन मोर्चरी पहुंचे और हाथ पर बने 'डीके' टैटू को देखकर शव की पुष्टि की। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि टैटू के जरिए मृतक की शिनाख्त हो पाई है। पुलिस अब मौत के कारणों की जांच में जुट गई है। दीपक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, लिहाजा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

प्रेरणा महिला संगठन हरेला महोत्सव का आयोजन किया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्रेरणा महिला संगठन सात नंबर की महिलाओं द्वारा हरेला महोत्सव का आयोजन देवली फील्ड बिरला चुंगी के पास किया गया।

इस मौके पर मुखय अतिथि पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल रही, इन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन बहुत अच्छा बनाया गया हुआ है इसमें महिलाओं की काफ ी संखया में भागीदारी की है। सभासद मुकेश जोशी ने कहा कि महिलाओं का आह्वान किया कि वह संगठन के माध्यम से श्री नंदा महोत्सव में भागीदारी करें वहीं सभासद जितेंद्र पांडे ने सभी का आभार व्यक्त किया गया वहीं हिमांशु तिवारी द्वारा भी अपने संगठन की महिलाओं को संबोधित किया गया। इस दौरान संगठन की सचिव ममता जोशी,विनोद सिंह जीना, हिमांशु तिवारी समेत संगठन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम के तहत विद्यालय में पौधारोपण

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

एक पेड़ मां के नाम के तहत चुघ परिवार ने अपनी मां की स्मृति में राजकीय इंटर कॉलेज बागवाला में पौधारोपण किया। समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने बताया कि दो माह पूर्व उनकी माता उर्मिला रानी चुघ का निधन हो गया था। उनके निधन के पश्चात परिवार ने तीन संकल्प लिए थे। जिसमें एक पेड़ मां के नाम, दूसरा निर्धन कन्याओं का विवाह और निर्धन बच्चों को निशुल्क शिक्षा देना था। जिसके तहत एक पेड़ मां के नाम का अभियान वृंदावन के आश्रम से प्रारंभ किया गया था। उसी क्रम में राजकीय इंटर कॉलेज बागवाला में विभिन्न प्रजातियों के 101 पौधों का रोपण किये। जिसमें विद्यालय के प्रबंधन कमेटी और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।चुघ ने बताया कि आने वाले समय में विद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को भी एक-एक पौधा भेंट किया जाएगा ताकि वह उसे अपने घरों में लगा

आयोजन

- मां की स्मृति में चुघ परिवार ने किया बागवाला राजकीय इंटर कॉलेज में पौधारोपण

सके। और विद्यालय की आवश्यकता के अनुसार भी पौधे लगाए जाएंगे। पौधों की देखभाल के लिए लोहे की जाली भी लगाई गई है और उनका पूर्ण रूप से संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आवाह्न किया था कि एक पेड़ मां के नाम से हर व्यक्ति लगाऐ और उसका संरक्षण करें ताकि यह धरा सुरक्षित और स्वस्थ रह सके। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण करना हर व्यक्ति का दायित्व है समय-समय पर इस प्रकार से पौधारोपण का कार्यक्रम चलता रहेगा। इस दौरान राजकीय इंटर कॉलेज बागवाला प्रधानाचार्य राजकुमार चौधरी,चुन्नीलाल चुघ,मनीष चुघ, तरुण चुघ,पारस चुघ,संजय श्रीवास्तव, यश यादव, नीलिमा कोहली, गरिमा पांडे, हेम पांडे, अजय वर्मा, रवि शाह शैलेश सिंह नूर आलम, शमशेर सिंह, अनंत पाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अभिमत

अंधेरे में डूबा प्रदेश

सच यह है कि उत्तराखंड में लोग बिजली संकट से त्रस्त हैं। सरकार द्वारा संकट के समाधान के आश्वासन खोखले साबित हो रहे हैं। बिजली संकट के लिए सरकार बहाने बनाती रहती है। विद्युत कटौती के लिए झूठ बोलने की नौबत आ गई है। उमस और भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हैं। गर्मी से राहत के लिए एयर कंडीशन, कूलर, पंखे का सहारा लेते हैं। बिजली की मांग बढ़ गई है। इसी बीच बारिश से नदियों में सिल्ट आने से पनबिजली परियोजनाओं में उत्पादन गिरा है। घंटों बिजली कटौती की जा रही है, लेकिन ऊर्जा निगम के अधिकारी मजबूर हैं। राज्य सरकार बहाने बनाती रहती है, संकट के समाधान का प्रयास नहीं हो रहा है।

पृथक उत्तराखंड राज्य का गठन करने की मांग को लेकर आंदोलन के दौरान दावा किया गया था कि पर्वतीय राज्य को हर तरह से खुशहाल बनाया जायेगा। देश के बड़े राज्य उत्तर प्रदेश का हिस्सा होने से विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और पर्वतीय क्षेत्र पिछड़ा है। उत्तराखंड राज्य का गठन होने पर गंगा, यमुना, कोसी, सरयू आदि नदियों के जल का उपयोग करके पनबिजली से ऊर्जा प्रदेश बनाने की बात राज्य सरकार करती रही है। जरूरत से अधिक बिजली को बेचकर राजस्व प्राप्ति की बात भी कही। सच यह है कि उत्तराखंड में लोग बिजली संकट से त्रस्त हैं। राज्य गठन के 25 साल हो रहे हैं, ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है। दो दिन पहले ही बारिश के कारण कई जल विद्युत परियोजनाएं ठप हो गईं और प्रदेश का अधिकांश क्षेत्र घंटों तक अंधेरे में डूबा रहा। सरकार द्वारा संकट के समाधान के आश्वासन खोखले साबित हो रहे हैं। बिजली संकट के लिए सरकार बहाने बनाती रहती है। विद्युत कटौती के लिए झूठ बोलने की नौबत आ गई है। उमस और भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हैं। गर्मी से राहत के लिए एयर कंडीशन, कूलर, पंखे का सहारा लेते हैं। बिजली की मांग बढ़ गई है। इसी बीच बारिश से नदियों में सिल्ट आने से पनबिजली परियोजनाओं में उत्पादन गिरा है। घंटों बिजली कटौती की जा रही है। ऊर्जा निगम के अधिकारी लाइन में फाल्ट और मरम्मत का बहाना बना रहे हैं। सर्दियों में हिमपात और बारिश कम होने से नदियों का जलस्तर गिर गया है। पनबिजली परियोजनाओं में उत्पादन घटता जा रहा है। राज्य सरकार ने सेंट्रल पूल और खुले बाजार से बिजली लेकर आपूर्ति की कोशिश की है, लेकिन मांग लगातार बढ़ने से बिजली संकट गहराता जा रहा है। मानसून के दौरान नदियों का जल स्तर बढ़ा, परन्तु पनबिजली उत्पादन नहीं बढ़ा, क्योंकि सिल्ट आने से हाइड्रो प्रोजेक्ट की टरबाइन नहीं चल पाती हैं। राज्य का गठन होने के ढाई दशक बाद भी पनबिजली के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोत नहीं तलाशे गये। जी-20 के तहत राज्य सरकार ने निवेशकों से समझौते किये हैं। फैक्ट्रियां बढ़ने पर ऊर्जा की मांग स्वतः बढ़ेगी। केन्द्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र घरों में स्थापित करने के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की है। सम्पन्न वर्ग सोलर एनर्जी के लिए आगे आ रहा है। निम्न तबके के लोग सोलर एनर्जी से लाभान्वित हो पायेंगे, इसमें संदेह है। पर्वतीय क्षेत्र और उद्योगों को विद्युत के लिए राज्य सरकार को ही उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। बिजली संकट के कारण निवेशक उत्तराखंड से मुंह मोड़ सकते हैं। पृथक राज्य का गठन होने पर औद्योगिक आस्थानों में उद्यमियों ने फैक्ट्रियां इस उम्मीद से स्थापित की थीं कि ऊर्जा प्रदेश कहे जाने वाले उत्तराखंड में अनवरत बिजली मिलेगी, जबकि उत्तर प्रदेश में ऊर्जा संकट था। वर्तमान में उत्तराखंड में भी उपभोक्ता बिजली को तरस रहे हैं। बिजली संकट से चौतरफा असर होगा और विकास थम जायेगा।

वन्य प्राणी स्वास्थ्य सलाहाकार समिति की बैठक

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्राणी उद्यान नैनीताल में बुधवार को वन्य प्राणी स्वास्थ्य सलाहाकार समिति की 29वीं बैठक डॉ.0 जे.0एल0. सिंह (प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष,पशु औषधि विज्ञान विभाग,पशु चिकित्सा पन्तनगर) की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के बाद समस्त सदस्यों द्वारा प्राणी उद्यान नैनीताल का भ्रमण किया और आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश दिये गये।

बता दें कि वर्तमान में प्राणी उद्यान में 214 उच्च स्थलीय वन्य प्राणि तथा फीजेट्स मौजूद है। स्थापना के बाद से ही प्राणी उद्यान में वन्य प्राणियों के संरक्षण व संवर्धन के दिशा में कई अहम कार्य किए जा रहे हैं। खास बात यह है कि प्राणी उद्यान के भीतर पालिथीन ले जाने पर पूरी तरह से पाबंदी है। समय-समय पर मौजूद वन्य जीवों व फीजेट्स के संरक्षण व संवर्धन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में प्रयास किए जाते रहे हैं। बुधवार को हुई बैठक के बाद समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की ओर से पूरे प्राणी उद्यान का भ्रमण कर बारिकी से हर बाडे में जाकर वन्य प्राणियों का अवलोकन किया गया,इस दौरान उनके रहन-सहन,खान पान के साथ ही बरसाती सीजन में वन्य प्राणियों के रख रखाव के बारे में जानकारी लेते हुए समिति के पदधिकारियों व सदस्यों ने संतोष जाहिर किया। इस अवसर पर सुश्री स्वाति (उप निदेशक प्राणी उद्यान नैनीताल), डॉ0 पराग निगम (वैज्ञानिक, भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून), डॉ0 डी0सी0 जोशी (मुख्य पशु चिकित्साधिकारी नैनीताल), डॉ0 एम0 कारीकालन (वैज्ञानिक वन्यजीव विभाग आई0वी0आर0आई0 बरेली), डॉ0 गौरव शर्मा (वरिष्ठ वैज्ञानिक आई0वी0आर0आई0 बरेली), डॉ0 हिमांशु पांगती (वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी प्राणी उद्यान नैनीताल), आनन्द लाल (वन क्षेत्राधिकारी प्राणी उद्यान नैनीताल), अनुज काण्डपाल (बायोलॉजिस्ट), विक्रम सिंह मेहरा (फ मार्सिस्ट) आदि कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में वन क्षेत्राधिकारी आनंद लाल ने सभी का आभार जताया।

बीए प्रथम वर्ष के 89 अभ्यर्थियों हेतु पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया जारी

नैनीताल । जिले के शहीद श्री खेमचन्द्र डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट में बीए प्रथम वर्ष हेतु समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत 89 अभ्यर्थियों हेतु प्रवेश प्रक्रिया लगातार जारी है।

बता दें कि प्रवेश प्रक्रिया 17 जुलाई से चल रही है। प्राचार्य प्रो. विनय कुमार श्रिद्यालंकार ने संस्था मे प्रवेश लेने वाले अभयर्थियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए महाविद्यालय मे शत प्रतिशत उपस्थिति एवं अनुशासित जीवनचर्या का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रवेश हेतु इच्छुक अभयर्थियों को प्रवेश समिति के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपने समस्त शैक्षणिक एवं अनिवार्य प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य है तथा तत्पश्चात अभयर्थी ऑनलाइन शुल्क जमा कर शुल्क रशीद तथा एंटी ड्रग शपथ प्रमाण पत्र महाविद्यालय में जमा करें। अद्यतन 42 अयर्थियों ने प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होकर प्रमाणपत्रों का सत्यापन करा लिया है। प्रवेश समिति में डॉ. ईप्सिता सिंह, डॉ. तरुण कुमार आर्य, डॉ. निर्मला, भाष्करा नन्द पन्त, ललित मोहन शामिल हैं।

गुज्जर क्षेत्र भुडाखत्ता, टांडा रेंज रूद्रपुर में वन गुज्जर समुदाय के लोक पर्व का आयोजन

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

वन गुज्जर क्षेत्र भुडाखत्ता, टांडा रेंज रूद्रपुर में वन गुज्जर समुदाय के लोक पर्व सेला का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेष पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी, वरिष्ठ न्यायाधीश, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल एवं कार्यपालक अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं उनकी धर्मपत्नी मंजू तिवारी की गरिमा मय उपस्तिथि रही।

माननीय न्यायमूर्ति ने इस कार्यक्रम के अवसर पर पौधारोपण कर सेला पर्व का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि सेला पर्व वन गुज्जर समुदाय की संस्कृति का प्रतीक है। सेला पर्व के अवसर पर प्रत्येक वन गुज्जर समुदाय के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है जो हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाने रखने के लिये अत्यंत आवश्यक है, उनके द्वारा सभी विभागो के अधिकारियों से आहवाहन किया गया कि सभी विभागों द्वारा वन गुज्जर समुदाय के शिक्षा, आधार कार्ड, चिकित्सा, जाति व स्थाई प्रमाण पत्र व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाना चाहिये एवं वन अधिकार कानून 2006 के तहत वन गुज्जर समुदाय के अधिकारों को संरक्षित करना चाहिये। इस अवसर पर वन गुज्जर समुदाय के प्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों से सम्बंधित अपनी समस्याओं को रखा गया।

जिस पर माननीय न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी द्वारा वन गुज्जर समुदाय की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व उनकी धर्मपत्नी द्वारा पौधारोपण किया गया। जिला जज ऊधमसिंहनगर सिकन्द कुमार त्यागी, जिला जज नैनीताल हरीश कुमार गोयल, सदस्य सचिव प्रदीप मणि त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंहनगर के सचिव योगेन्द्र कुमार सागर व मुख्य विधिक सहायता प्रतिरक्षा अधिवक्ता मोहम्मद मिराज सहित अन्य विभागों के कई अधिकारीगण एंव न्यायाधीशगण द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। सेला पर्व के कार्यक्रम के अवसर पर जनपद नैनीताल एवं जनपद ऊधमसिंहनगर के न्यायिक अधि कारीगण सहित कई अन्य अधिकारीगण भी उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम में थारू जनजाति तथा कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस दौरान सीडीओ दिवेश शाशनी, वन गुज्जर समुदाय के प्रतिनिधि गामा, मोहम्मद कासिम, शमशाद, मीर हमजा मौजूद रहे।

फिल्मी दुनिया

अक्षय कुमार को किस बात का सताया खौफ

बॉलीवुड की दो बिंदास अदाकाराएं- ट्विंकल खन्ना और काजोल अब पर्दे पर नहीं, बल्कि ओटीटी की दुनिया में एक साथ आ रही हैं। हालांकि इस बार न तो वो किसी फिल्म में अभिनय कर रही हैं और न ही किसी सीरीज में साथ नजर आएंगी, बल्कि दर्शकों को एक नए और अनोखे टॉक शो से दोनों मिलकर एंटरटेन करते हुए नजर आएंगी। बस इसी बात से खिलाड़ी कुमार को डर लगा रहा है। अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और अजय देवगन की पत्नी काजोल दोनों ही एक समय बॉलीवुड की चर्चित हीरोइनों में रही हैं। हालांकि अब ये दोनों अभिनेत्रियां टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के जरिए होस्ट की भूमिका में दिखने के लिए तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने दोनों के पोस्टर को रिलीज भी कर दिया है। अब इनके पोस्टर पर अक्षय कुमार का भी रिएक्शन आ गया है। खिलाड़ी कुमार ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपने डर का जिक्र किया है। अब ये तो हर कोई जानता है कि काजोल और ट्विंकल खन्ना दोनों अपनी-अपनी बात बड़ी ही बेबाकी से रखती हैं, ऐसे में टॉक शो में भी काफी कुछ धमाकेदार होने की उम्मीद है। बस इसी बात को सोचकर अक्षय ने लिखा है- दोनों को साथ देखकर ही डर लग रहा है, शो में क्या होगा सोच नहीं सकता।

प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

इस शो का निर्माण बनिजेय एशिया द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी कई मशहूर शो और रियलिटी फॉर्मेट्स ला चुका है। इसे जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो की एक और खासियत है इसकी गेस्ट लिस्ट, जिसमें बॉलीवुड के बड़े नाम शामिल होंगे। हर एपिसोड में कोई न कोई चर्चित चेहरा शो का हिस्सा बनेगा और दर्शकों को मिलेगा एक बेहद मनोरंजक और बिंदास बातचीत का अनुभव।

शोधार्थी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा व अरुण ने पूजा यूजीसी नेट परीक्षा लहराया परचम

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के शोधार्थी अरुण वर्मा ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट-जेआरएफ परीक्षा में 69 वीं रैंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। इसी क्रम में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा में पूजा सिकरवार ने लगातार तीसरे वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

अरुण वर्मा और पूजा ने अपनी मेहनत से यह बड़ी उपलबधि हासिल की है जिससे कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल का नाम रोशन हुआ है। अरुण वर्मा और पूजा सिकरवार वर्तमान में डॉ. युगल जोशी के मार्गदर्शन में शोध कार्य कर रहे हैं। यह उपलबधि न केवल अरुण और पूजा के लिए बल्कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के लिए गर्व का विषय है। इस उल्लेखनीय उपलबधि पर विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ कूटा अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी, कैंपस निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. रीतेश शाह, डॉ. युगल जोशी और पुस्तकालय विभाग के सभी शोधार्थियों सहित अन्य शिक्षकों ने दोनों शोधार्थियों को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विरोधः भूमियाधार इंटर कॉलेज को बंद करने के विरोध में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

भूमियाधार क्षेत्र में स्थित राजकीय इंटर कॉलेज को सरकार की क्लस्टर नीति के तहत बंद करने की प्रक्रिया के विरोध में मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। इंटर कॉलेज परिसर में भारी संख्या में जुटे छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने स्कूल बंद किए जाने की नीति के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कहा कि भूमियाधार इंटर कॉलेज न केवल इस क्षेत्र की एकमात्र उच्च माध्यमिक शैक्षणिक संस्था है, बल्कि यहां पर छात्र-छात्राओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में करीब दो सौ से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और बोर्ड परीक्षाओं में यहां का परीक्षा परिणाम लगातार शत-प्रतिशत रहा है। जब स्कूल का प्रदर्शन उत्कृष्ट है, तो फिर क्यों बंद किया जा रहा है। इस सवाल को लेकर प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार की क्लस्टर नीति पर सीधा हमला बोला। अभिभावकों ने कहा कि सरकार एक ही स्थान पर पास-पास के स्कूलों को मिलाकर एक ही परिसर में चलाने की योजना बना रही है, लेकिन इससे न केवल छात्रों को दूरस्थ स्थानों पर जाने की मजबूरी होगी, बल्कि उनके शिक्षा अधिकार भी प्रभावित होंगे। अभिभावकों ने कहा सरकार बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ न करे। कहा कि इस स्कूल में आसपास के गांवों के छात्र-छात्राएं आते हैं और उन्हें विद्यालय तक पहुंचने के लिए पैदल कठिन रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। यदि इस विद्यालय को बंद कर दिया गया, तो वे अन्य स्कूलों तक नहीं पहुंच पाएंगे, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हो जाएगी। साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई इस दौरान अभिभावक संघ अध्यक्ष रमेश प्रसाद, आनंद कुमार,पूर्व प्रधान मीनाक्षी आर्य, मीना आर्य, पंकज कुमार, अंजू, दीपा, हेमा सोनी बिष्ट,कमल बिष्ट, पुष्पा देवी, नीमा,बबीता, भगवती, मुकुल,पूनम समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षकों की संख्या घटाने की योजना भी सवालों के घेरे में

इस बीच अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूलों को एकीकृत करने की इस नीति के तहत शिक्षकों की संख्या भी घटाई जा रही है, जिससे बच्चों को विषयवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पाएगी। अंत में प्रदर्शनकारियों ने दो टूक कहा कि वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे और जब तक सरकार स्कूल बंद करने का निर्णय वापस नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सरकार को चेतावनी, आंदोलन के लिए होंगे मजबूर

प्रदर्शन में शामिल अभिभावक संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर सरकार ने उनकी भावनाओं को अनदेखा करते हुए स्कूल बंद करने का निर्णय लिया तो वे शांत नहीं बैठेंगे। अभिभावकों ने कहा कि वे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे और जरूरत पड़ी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन की स्थिति बनी तो उसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से की हस्तक्षेप की मांग

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर आवाज उठाएं और भूमियाधार इंटर कॉलेज को क्लस्टर योजना से बाहर करवाएं। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय बंद होने से क्षेत्र में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ेगा।

News कॉर्नर

अल्मोड़ा के छह ब्लॉकों में प्रथम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बंद

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में प्रथम चरण में होने वाले छह विकासखंडों में शाम पांच बाद चुनाव प्रचार थम गया। अब प्रत्याशियों ने डोर टू डोर प्रचार तेज कर दिया है। मंगलवार शाम ताकुला, धौलादेवी, ताड़ीखेत, भैंसियाछाना, लमगड़ा और चौखुटिया में प्रचार बंद हो गया। प्रथम चरण में 580 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। इन गांवों में 649 मतदान स्थल बनाए गए हैं। ताकुला विकासखंड में 44102 मतदाता हैं जिसमें पुरुष 22624 और 21478 महिला मतदाता हैं। धौलादेवी ब्लॉक में 58476 मतदाता हैं जिसमें 30719 पुरुष और 27757 महिला मतदाता है। ताड़ीखेत विकासखंड में 62342 मतदाता हैं। इसमें 32375 पुरुष और 29967 महिला मतदाता हैं। भैंसियाछाना विकासखंड में 25681 कुल मतदाता हैं जिसमें 13368 पुरुष और 12313 महिला मतदाता हैं। लमगड़ा विकासखंड में 51825 मतदाता हैं जिसमें 27402 पुरुष और 24423 महिला मतदाता हैं। चौखुटिया विकासखंड में 41363 कुल मतदाता हैं। इसमें 20923 पुरुष और 20440 महिला मतदाता हैं।

हल्द्वानी-लालकुआं रेलवे जमीन से हटेगा अतिक्रमण

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

अमृत भारत योजना के क्रियान्वयन के तहत हल्द्वानी और लालकुआं रेलवे स्टेशन का विस्तार होना है। प्रशासन द्वारा रेलवे के आग्रह के बाद हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के आसपास अतिक्रमण को चिन्हित करना शुरू कर दिया है। हल्द्वानी के अतिक्रमण को चिन्हित करने के बाद लालकुआं के अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की कार्यवाही शुरू की जायेगी।

हल्द्वानी में अतिक्रमण को चिन्हित करने के लिये प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग के साथ टीम का गठन किया है। एसडीएम राहुल साह ने बताया की पुर्वोत्तर रेलवे द्वारा इसको लेकर प्रशासन को पत्र लिखा था। इसी के तहत संयुक्त सीमांकन अभियान शुरू किया गया है।

सीमांकन के बाद रेलवे लाइन, गौला नदी के आसपास व रेलवे बाजार रोड में अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जानी है। सीमांकन के बाद चिन्हित अतिक्रमण को हटाने के लिये रेलवे विभाग बेदखली को विधिक कार्यवाही शुरू करेगा। 15 दिनों में हल्द्वानी में सर्वे के कार्य को पूरा कर लिया जायेगा।

सांसद अजय भट्ट ने इस मामले में रेलवे प्रसासन को पत्र लिखकर इस कार्यवाही में तत्काल रोक लगाने की मांग की है। सांसद भट्ट द्वारा डिवीजनल रेलवे प्रबंधक इज्जतनगर बरेली को भेजे पत्र में कहाँ कि रेलवे लालकुआं में जो नापजोख की कार्यवाही कर रहीं है इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। इन कालोनीयों में हजारों लोग वर्षो से निवास कर रहें है। उन्होंने रेलवे विभाग से अपील की है कि जनहित को देखते हुये कार्यवाही से पूर्व स्थानीय लोगो को विश्वास में लेकर उचित प्रक्रिया अपनाने को कहाँ गया है।

लालकुआं में सर्वे को मौके पर तैनात फोर्स व अन्य।

वन विभाग ने लालकुआं में जीपीएस की मदद से सर्वे किया

हल्द्वानी/लालकुआं

हमारे संवाददाता

रेलवे के बाद अब वन विभाग ने अतिक्रमण हटाने के लिए जीपीएस के माध्यम से खड्डी मोहल्ला क्षेत्र का सर्वे किया, इस दौरान वनाधिकारियों का कहना था कि खड्डी मोहल्ला वाली भूमि वन विभाग की है। उल्लेखनीय है कि लालकुआं गौला रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग से पूर्व की ओर इन दिनों रेलवे प्रशासन व वन विभाग द्वारा द्वारा पृथक पृथक रूप से किये जा रहे सर्वे कार्य से लोगों में जबरदस्त दहशत है। पिछले दो दिन से जहाँ एक ओर रेलवे प्रशासन द्वारा नगर में रेलवे विभाग की भूमि पर कथित अतिक्रमण के नाम पर सर्वे कर लोगों की दुकान व घरों में काले निशान लगाए जा रहे हैं, वहीं आज गौला रेंज के वन विभाग के डिप्टी रेंजर दीपचंद आर्य एवं वन दरोगा संदीप सूठा के नेतृत्व में पहुंचे वन विभाग की टीम ने जीपीएस की मदद से रेल पटरी व खड्डी मोहल्ले में सर्वे शुरू किया, वह काफी देर तक आसपास के क्षेत्र में जीपीएस के माध्यम से सर्वेक्षण करते रहे। इधर वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर नगर में वन भूमि का सर्वे कार्य किया जा रहा है, जीपीएस की मदद से वन भूमि की पहचान की जा रही है। इधर रेलवे के बाद वन विभाग द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए सर्वे अभियान से यहां लोगों में हड़कंप मच गया है, उनका कहना है कि लालकुआं शहर को धीरे-धीरे अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ा जा रहा है, अब तक आधा शहर विभिन्न विभागों ने अतिक्रमण के नाम पर समाप्त कर दिया है, अब बचे कुछ घरों को भी तोड़ने की साजिश की जा रही है, जिसका क्षेत्रवासी भारी विरोध करेंगे।

यौन उत्पीड़न व पोक्सो एक्ट आरोपी में दोषमुक्त, छेड़छाड़ करने में दोषी माना

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न व पोक्सो एक्ट में निचली अदालत से दोषसिद्ध आरोपी उजैब की सजा में आंशिक संशोधन करते हुए उसे यौन उत्पीड़न व पोक्सो की गम्भीर धाराओं से दोषमुक्त करार दिया है । किन्तु बालिकाओं का पीछा करने व छेड़छाड़ करने की धाराओं में दोषी माना है । मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ में हुई।

मामले के अनुसार विशेष सत्र न्यायालय द्वारा 15 जनवरी 2025 को अभियुक्त उजैब को धारा 354 आई पी सी, 7/8 तथा 11/12 पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी मानते हुए चार वर्ष तक की कठोर कारावास और जुर्माने की सजा दी गई थी। अभियोजन के अनुसार, अभियुक्त लगातार दो स्कूली छात्राओं का पीछा करता था। 14 फरवरी 2023 को जब दोनों बालिकाएं स्कूल से लौट रही थीं तो अभियुक्त ने फिर से पीछा किया और कथित रूप से एक पीड़िता से छेड़छाड़ का प्रयास किया। पीड़िताओं के शोर मचाने पर लोगों ने अभियुक्त को पकड़ कर पुलिस को सौंपा। प्राथमिकी पीड़िता की माता द्वारा दर्ज कराई गई थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि रिकॉर्ड पर मौजूद दोनों पीड़िताओं के साक्ष्य स्वाभाविक एवं विश्वसनीय हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अभियुक्त ने बार-बार पीछा किया, जबकि उसे ऐसा न करने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, पीड़िताओं ने किसी भी प्रकार की शारीरिक छेड़छाड़ या बल प्रयोग का उल्लेख नहीं किया। इस आधार पर न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आईपीसी की धारा 354 (स्त्री की लज्जा भंग करने हेतु हमला/बल प्रयोग) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 (यौन उत्पीड़न) की शर्तें पूरी नहीं होतीं। वहीं, आई पी सी की धारा 354-डी (स्टॉकिंग) और पॉक्सो एक्ट की धारा 11 (यौन उत्पीड़न) के तहत अपराध सिद्ध पाया गया। पॉक्सो अधिनियम की धारा 12 एवं आई पी सी की धारा 354 डी, दोनों में अधिकतम सजा तीन वर्ष तक की ही है । ऐसे में अभियुक्त को केवल एक बार की सजा के लिए दंडित किया जा सकता है। इसलिये उसे पहले से जेल में बिताई गई अवधि को सजा मानते हुए 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। जुर्माने का भुगतान न करने की दशा में उसे एक माह का सरल कारावास भुगतना होगा। हाईकोर्ट ने अभियुक्त उजैब को धारा 354 आई पी सी एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 से बरी किया है । किंतु धारा 354-डी आई पी सी एवं धारा 11/12 पॉक्सो एक्ट में दोष सिद्ध पाया गया। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि आरोपी द्वारा पूर्व में बिताई गई सजा की अवधि को अंतिम सजा माना जाय और उसे तुरंत जेल से रिहा किया जाय ।

24 और 28 को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

अल्मोड़ा/बागेश्वर। अल्मोड़ा के डीएम आलोक कुमार पांडे ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत प्रथम चरण के मतदान के दिन 24 और दूसरे चरण के मतदान के दिन 28 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन शासकीय, अशासकीय कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, अर्द्ध सरकारी निकायों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिकों, कारीगरों और मजदूरों के लिए मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित रहेगा।

फरार वांछित अभियुक्त को 4.5 लाख की स्मैक के साथ दबोचा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

जनपद पुलिस का नशे तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई को अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत काशीपुर पुलिस ने एक नशा तस्कर को लाखों कीमती स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। काशीपुर पुलिस को इस नशा तस्कर की लंबे समय से तलाक थी।

एसपी काशीपुर अभय सिंह ने बताया कि लंबे समय से वांछित एवं सक्रिय रूप से नशा तस्करी में लिप्त शातिर अभियुक्त शाहनवाज उर्फ शहनवाज निवासी मोहल्ला काली बस्ती, अलीखां, थाना काशीपुर, को उसके मकान की छत से दबोच लिया। उन्होंने बताया कि तलाशी में अभियुक्त के कब्जे से 14.84 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 4.5 लाख आँकी गई है। पुलिस ने उसके एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया और उसे कोर्ट में पेशि या। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एसपी काशीपुर ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में एफडीआई नंबर 482/24, धारा 8/21/60/29 एनडीपीएस एक्ट कोतवाली काशीपुर में मुकदमा पंजीकृत हैं और वह लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर एफआईआर नंबर 317/25, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को कोर्ट में पेश किया।

कुमाऊं विवि को भारत सरकार की दो योजनाओं के तहत बड़ी उपलबधि मिली

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत के पिछले दो वर्षों (21 जुलाई 2023 से 20 जुलाई 2025) के कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध व नवाचार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पारदर्शिता, सहभागिता और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए कई ऐसी योजनाएं लागू कीं जिनका लाभ सीधे विद्यार्थियों, गुरुजनों और शोधार्थियों तक पहुंचा।

इस अवधि में विश्वविद्यालय को भारत सरकार की दो महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत बड़ी उपलबधि मिली, विश्वविद्यालय को मेरु (मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी) योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआए वहीं डीएसटी -पेअर परियोजना के तहत आईईएससी बंगलोर के सहयोग से एक अन्य 100 करोड़ की परियोजना स्वीकृत हुई। इसके लिए 26.4एकड़ भूमि पाटवाडांगर में अधिग्रहित की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अकादमिक कैलेंडर को सुचारू और समयबद्ध बनाते हुए वर्ष 2024-25 के सभी परीक्षा परिणाम तीन सप्ताह के भीतर घोषित किए। पहली बार विद्यार्थियों को उनके उत्तीर्ण वर्ष में ही डिग्रियाँ छपवाकर डाक से भेजी गईं जिससे प्रमाण-पत्रों में देरी की पुरानी समस्या का समाधान हुआ। शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने कई नई पहल कीं। गुरुजनों व शोधार्थियों और छात्रों को आंतरिक शोध अनुदान, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी के लिए सहायता और पेटेंट फाइल करने हेतु मार्गदर्शन व वित्तीय सहयोग मुहैया कराया गया। टैलेंट हंट प्रोग्राम/ वीसी इंटर्नशिप फेलोशिप/ लाइब्रेरी चैंपियन अवार्ड और श्रेष्ठ शोधार्थी पुरस्कार जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आरंभ किए गए। विशेष रूप सेए उत्तराखंड में पहली मर्तबा स्नातक व परास्नातक छात्रों को विश्वविद्यालय स्तर पर शोध अनुदान और सशुल्क इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की गई। कुलपति प्रो.रावत ने शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया। गुरुजनों, शोधार्थियों और अभिभावकों से सीधा संवाद, औचक निरीक्षण और ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया गया। कुलपति स्वयं एमएससी रसायन विज्ञान के छात्रों को पढ़ाते हुए शिक्षण कार्य में भी सक्रिय रहे। पिछले दो वर्षों में विश्वविद्यालय ने अपने पुराने ढांचे को आधुनिक बनाया है तकनीकी विकास पर जोर दिया है और छात्र केंद्रित नीतियों के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया है। इन पहलों ने विश्वविद्यालय के समग्र विकास की दिशा में ठोस आधार तैयार किया है।नैनीताल । कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत ने कहा है कि उन्होंने अपने दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने विवि को हर स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि यह सब विवि के अधिकारियों, गुरुजनों,कर्मियों व छात्र-छात्राओं के सहयोग से ही संभव हो पाया। कहा कि टीम भावना से कार्य करने का ही नतीजा रहा है कि विवि ने हर क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की है। उन्होंने आशा जताई है कि आने वाल समय में भी विवि हर क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास करेगा।